सचेतन

वार्षिक रिपोर्ट

2017-18

सचेतन

(शोध, शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्था)

कोटा, राजस्थान

समर्पित उन समस्त साथियों को जो सचेतन की निरंतरता में सहयोग प्रदान करते आ रहे हैं...

मुखपृष्ठ पर दिया गया फोटोग्राफ घोड़ेवाले बाबा बस्ती के बच्चों के साथ ग्रीष्मकालीन शिविर के दौरान लिया गया। अंतिम पृष्ठ पर दिया गया फोटोग्राफ थूनपुर ग्रामपंचायत के राजकीय विध्यालय में आयोजित आर्ट लैब के दौरान लिया गया है।

यह वर्ष विविध प्रकार की गतिविधियों व सहभागिता वाला वर्ष रहा. संस्था जहाँ एक ओर बच्चों व युवाओं के साथ रचनात्मक जुड़ाव के उद्देश्य को पूरा करने हेतु प्रयासरत रही, वहीं दूसरी और शिक्षा, पर्यावरण, स्वच्छता और स्वास्थ्य आदि मुद्दों पर भी अपने तरीके से बात रखने में सक्षम रही. 'क्राफ्टिंग थ्रू वेस्ट' के विचार के जरिये चीजों के पुनर उपयोग/ मरम्मत और निखार के विचार को अनेक मंचों पर रखा व लोगों की सहभागिता हासिल करने में भी कार्य किया. इस बार आर्टलैब के तहत कुछ नए सत्र जोड़े जैसे कॉपी-किताबों पर जिल्द चढ़ाना...और इस सम्बन्ध में दो संस्थानों में बच्चों के साथ कार्य किया. यह एक अनुभव था जिसने हमारी सोच को तोड़ा कि कवर चढाने में क्या है..ये तो आता ही होगा..लेकिन ऐसा नहीं था. बच्चों के साथ अभिभावकों ने भी इस कार्य को किया और इस प्रयास को सराहा. तो, आगामी आर्टलैब में ऐसी अनेक विधाओं को जोड़े जाने की सम्भावना दिखती है जिन्हें भुला दिया गया है पर जो सस्टेनेबल जीवन के लिए आवश्यक हैं.

संस्था ने शहर के अन्य इलाकों में अपनी पहुँच को बढ़ाने के उद्देश्य से दो बस्तियों में अस्थायी सिलाई केन्द्रों की स्थापना की व उसके माध्यम से महिलाओं का कौशल वर्धन का कार्य किया. अब इन महिलाओं को निरंतर जोड़े रखना एक चुनौती अवश्य रहेगी कि किस प्रकार सीमित संसाधनों के साथ इसे निरंतर रखा जा सकता है. हम आभारी हैं राजकीय महिला पोलिटेक्निक कॉलेज, कोटा के जिनके सामुदायिक विकास कार्यक्रम के माध्यम से 'कलाजीविका सिलाई केंद्र' परियोजना को चालू कर सके. संस्थागत जुड़ाव की प्रक्रिया में राजकीय बालिका गृह- नारीशाला नान्ता, स्काउट-गाइड अभिरुचि शिविर, अखिल विश्व गायत्री परिवार- दिया शाखा, कोटा हेरिटेज सोसायटी, कोटा एनवायरमेंट सोसायटी, राजकीय पोलिटेक्निक कॉलेज कोटा, आदि संस्था-संगठनों के साथ काम के अवसर बने व समान लक्ष्यों के प्रति समन्वित प्रयास किये जा सके. हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हम मीडिया के आभारी हैं जिन्होंने हमारे प्रयासों सम्बन्धी समाचारों को अपने पत्रों में स्थान दिया और हमारे हौसलों को नयी ऊर्जा प्रदान की. आगे भी हम तत्पर रहें..इसी आशा के साथ...

टीम सचेतन!

विषय सूची

1. आर्टलैब: रीयूज़-रीसायकल...
2. बस्ती के बच्चों के लिए ग्रीष्म शिविर
3. सेल्फ कार्यक्रम: किशोरी बालिका सशक्तिकरण
4. सिलाई प्रशिक्षण केंद्र
5. सहभागिता
6. कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व हेतु सहयोग
7. कचरा जगमगाते हम प्रदर्शनी
8. डॉक्यूमेंटेशन एवं अन्य सामग्री विकास
9. मीडिया सहयोग
10. सचेतन सदस्य व साथी
11. गतिविधि सारांश
12. वित्तीय रिपोर्ट

कचरा आधारित आर्टलैब

क्राफ्टिंग थ्रू वेस्ट की अवधारणा के तहत इस वर्ष भी अनेक मंचों पर बच्चों व आमजन के साथ आर्ट व क्राफ्ट को आधार बनाते हुए अनेक कार्यशालाएं की गयीं. केन्द्रीय विद्यालय, बक्शी स्कूल, रोज़बड्स स्कूल, गायत्री शक्तिपीठ के शिविर, राजकीय बालिका गृह आदि में इन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिनका मुख्य उद्देश्य विभिन्न प्रकार के कचरे जैसे कागज, प्लास्टिक बोतल, प्लाटिक की पन्नियों आदि के साथ किन प्रकार के क्राफ्ट्स को विकसित किया जा सकता है व कैसे बच्चों को इस ओर उन्मुख करते हुए रीयूज़ और रीसायकल अवधारणाओं को सरलता से समझाया जा सकता है. इस वर्ष संस्था ने एक कदम आगे बढ़ाया और संस्था सदस्य श्री अरविन्द जी के सहयोग से उनके गाँव थूनपुर पंचायत के राजकीय स्कूल के बच्चों के साथ भी दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की. इस कार्यशाला के अनुभव अत्यंत रोचक रहे व भविष्य में भी वहां व अन्य ग्रामों में भी इन कार्यशालाओं को करने की प्रेरणा मिली. **इस वर्ष कुल 19 आर्टलैब आयोजित की गयीं जिनके माध्यम से 697 बच्चों को कचरे के साथ रचनात्मक प्रयोगों को करने के प्रति प्रेरित किया गया.**

केन्द्रीय विद्यालय, स्टेशन शाखा

रोज़बड्स स्कूल, बोरखेडा

सचिव डॉ. भारती श्रीमती बक्शी संचालिका बक्शी स्कूल (बाएं) के साथ उनके स्कूल में आर्टलैब के दौरान

बक्शी स्कूल, देवली अरब रोड

गायत्री शक्तिपीठ के तत्वाधान में आयोजित दिया व स्पंदन शिविरों में बुक कवर चढ़ाना सिखाना कार्यशाला

एच आई वी संक्रमित परिवारों के बच्चों के साथ संस्कार संस्था में पेपर क्राफ्ट संबंधी कार्यशाला लेते अक्षय

थूनपुर ग्राम के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में दो दिवसीय आर्टलैब के तहत प्लास्टिक वेस्ट क्राफ्ट पर कार्य

थूनपुर- कागज की थैलियां बनाना सिखाना

पेपर से विभिन्न सजावटी वस्तुओं को बनाना सिखाना

थूनपुर कार्यशाला में सभी सहभागियों के साथ नर्बदा, पीयूष व भारती

राजकीय बालिका गृह में कागज आधारित आर्टलैब में बालिकाओं द्वारा निर्मित उत्पाद

बस्ती के बच्चों के साथ ग्रीष्मकालीन शिविर

खुद करें- खुद सीखें (डू इट योर सेल्फ) की सोच के साथ घोड़ेवाले बाबा कच्ची बस्ती के बच्चों के साथ स्थानीय रेन बसेरा पार्क में 15-20 मई में पांच दिवसीय रचनात्मक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया. इस दौरान बच्चों के साथ कागज के लिफाफे बनाना, पेंटिंग, कहानी रचना, स्टैंसिल पेंटिंग, ठप्पे से रंगना, खेल, गीत, समूह खेल आदि गतिविधियों से बच्चों को जोड़ा गया. समस्त गतिविधियाँ संस्था के वालंटियर्स द्वारा सोची व क्रियान्वित की गयीं थी. शिविर में शीतिका, पीयूष, नर्बदा, अक्षय, कपिल, चन्द्रिका, योग्यता, शिखा आदि कार्यकर्ताओं द्वारा सहयोग प्रदान किया गया.

परिचय खेल में भागीदार बच्चे

वालंटियर शीतिका के साथ खेल सत्र

वालंटियर अक्षय के नेतृत्व में स्टेंसिल पेंटिंग सत्र

किशोरी बालिका सशक्तिकरण

संस्थागत स्तर पर यह चुनौती सदैव ही बनी रहती है कि संसाधनों की सीमितता के बावजूद भी किस प्रकार गतिविधियों/ कार्यक्रमों को निरंतर बनाये रखा जाये. इस परिप्रेक्ष्य में बालिका गृह/ नारीशाला में अपनी गतिविधियों को अनेक अवरोधों के बाद भी चालू रख सके हैं, यह बात प्रेरणादायी है. बालिका गृह में बालिकाओं के साथ संस्था के 'सेल्फ कार्यक्रम'[1] के तहत की जाने वाली गतिविधियाँ मुख्यतः इस उद्देश्य से प्रेरित रहती हैं कि जब तक वे गृह में हैं उनका ठहराव गुणवत्तापूर्ण हो और वे यहाँ से जब जाएँ तो उनके पास एक कौशल और हौसला हो कि विपरीत परिस्थितियों में भी वे सम्मानपूर्वक अपनी आजीविका अर्जन कर सकें. मुख्य गतिविधियों में शैक्षणिक सहयोग, कौशल प्रशिक्षण, व व्यवहारगत परिवर्तन संबंधी हस्तक्षेप सम्मिलित हैं.

शैक्षणिक सहयोग: इस वर्ष राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल के माध्यम से दसवीं की परीक्षा में कोमल सुमन द्वारा 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने पर संस्था की तरफ से उसे एक हजार रुपए की

नकद राशि व स्मृति चिन्ह तथा राधा जंगम को दूसरे स्थान पर रहने पर स्मृति चिन्ह पुरस्कार स्वरुप प्रदान किये गए. ये पुरुस्कार गृह अधीक्षक अंशुल मेहंदीरत्ता जी व संस्था सचिव डॉ. भारती गौड़ द्वारा समस्त बालिकाओं के समक्ष प्रदान किये गए ताकि उन्हें भी मेहनत से अध्ययन करने की प्रेरणा मिले. कोमल व राधा ने आगामी कक्षाओं हेतु आवेदन कर दिया है व उनके साथ ही प्रीति कुमारी, शांति, दीपा, मीना, पिंकेश व अन्य ने भी ओपन स्कूल के तहत आवेदन किया गया है. अध्ययनरत बालिकाओं को संस्था वालंटियर नर्बदा द्वारा शिक्षण सहजकर्ता के तौर पर शिक्षण सहयोग उपलब्ध कराया गया. साथ ही आवश्यक शिक्षण सामग्री भी संस्था द्वारा बालिकाओं को उपलब्ध करायी गयी.

कौशल प्रशिक्षण: बालिकाओं को उपलब्ध कराये गए प्रशिक्षणों में इस वर्ष मुख्यतः क्रोशिया, रेशम धागों से ज्वेलरी बनाना, पेंटिंग और राखी बनाना था. इसके अतिरिक्त सिलाई, कढ़ाई व वेस्ट क्राफ्टिंग के कार्य वर्षपर्यन्त चलते रहे जिसके फलस्वरूप बालिकाओं द्वारा अनेक उत्पाद तैयार किये गए व उनका विविध मंचों पर प्रदर्शन भी किया गया. इस प्रक्रिया में उन्होंने कुछ हस्त-कौशल भी

---

[1] SELF: Self Empowering, Leading and Fostering Program

अर्जित किये व साथ ही वे अपने समय का सदुपयोग कर सकीं. समस्त प्रशिक्षणों की रूपरेखा व सम्पूर्ण व्यय संस्था द्वारा ही वहन किया गया. मूल प्रशिक्षण आमतौर पर दो- तीन दिन के ही रहे परन्तु सीखने के बाद वर्षपर्यंत बालिकाओं को सामग्री प्रदान की जाती रही ताकि वे सीखी गयी विधा का अभ्यास करती रहें व कुशलता अर्जन कर सकें. प्रमुख प्रशिक्षणों का विवरण इस प्रकार है:

प्रशिक्षण/कार्यशाला	अवधि	सहजकर्ता
पपेरमेशे	5-6 अप्रैल	भारती
ड्रीम केचर मेकिंग	5-11 मई	शीतिका व पीयूष
वाल/ स्टैंसिल पेंटिंग / वरली पेंटिंग	25-27 मई	भारती, शीतिका, योग्यता
रंग आधारित जानकारी कार्यशाला	6-8 जून	योग्यता जोशी[2]
रेशम ज्वेलरी मेकिंग	4-6 जुलाई	छविप्रिया गौड़
राखी मेकिंग	31 जुलाई-1 अगस्त	भारती, नर्बदा
क्रोशिया निटिंग	1-5 नवम्बर	भारती
फैब्रिक एन्वेलोप	1-5 नवम्बर	भारती
वेस्ट क्राफ्टिंग एवं ओरिगामी	13-19 जनवरी	पीयूष, भारती
होली रंग बनाना	24-25 फ़रवरी	भारती, नर्बदा

संस्था द्वारा क्राफ्ट सेंटर के माध्यम से बालिकाओं के साथ संवाद करने का उद्देश्य यही है कि वे बालिका गृह में अपने ठहराव को सही दिशा दे सकें व जीवन के प्रति निराशा अथवा उग्रता से उबर सकें. इस क्रम में युवा छात्राओं/ फेलो को संदर्भ व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया जिससे समवया होने के कारण उनमें परस्पर तादाम्य बन सके व वे आनंद के साथ सीख सकें व प्रेरणा ले सकें. शीतिका पुंज (कोटा विश्विद्यालय), योग्यता जोशी (सिम्बायोसिस पुणे, फेलो) व छविप्रिया गौड़ (निफ्ट दिल्ली) ने बालिकाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने में संस्था को सहयोग प्रदान किया गया.

होली के रंग बनाती बालिकाएं

रेशम धागे से ज्वेलरी बनाना सिखाती छविप्रिया

[2] सिम्बायोसिस संस्थान पुणे से फेलो छात्रा

कलाजीविका डॉक्यूमेंट: संस्था वालंटियर्स शीतिका, छविप्रिया व योग्यता द्वारा क्राफ्ट सेंटर आधारित अनुभवों से प्रेरित एक डॉक्यूमेंट तैयार किया गया जिसमें संस्था के 'क्राफ्टिंग थ्रू वेस्ट' मिशन के तहत कतरनों से किये गए नवाचारों व बालिकाओं के क्राफ्ट सेंटर के तहत काम करने, व उनके जुड़ाव तथा फलस्वरूप कतिपय मानसिक व भावनात्मक परिवर्तनों का लेखा-जोखा करते हुए सात बालिकाओं के केस अध्ययन शामिल किया गया है. इस पुस्तक का बालिका गृह, नान्ता में श्रीमति जयकंवर गुंजल, अंशुल मेहंदीरत्ता (अधीक्षक बालिका गृह), भारती गौड़ (सचिव), लीना विजय (कोषाध्यक्ष), डॉ. अनुराधा चतुर्वेदी द्वारा विमोचन किया गया. इस अवसर पर संस्था सदस्य व अनेक गणमान्य नागरिक/ सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे.

पुनर्वास पश्चात् सहयोग: बालिका गृह से मुक्त बालिका संजू को आजीविका अर्जन हेतु संस्था द्वारा सिलाई मशीन भेंट की गयी. वह क्राफ्ट सेंटर की सक्रिय बालिका भी थी.

बालिका गृह व नारीशाला की बालिकाओं द्वारा प्रशिक्षणों के दौरान निर्मित उत्पाद

सिलाई प्रशिक्षण केंद्र

इस वर्ष संस्था द्वारा एक अन्य प्रयास किया गया व शहर की दो बस्तियों में (अस्थायी) सिलाई प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किये गए व वहां की बालिकाओं व महिलाओं को बेसिक गारमेंट मेकिंग का प्रशिक्षण दिया गया. इन प्रशिक्षणों के दो उद्देश्य थे- एक तो यह कि शहर के विभिन्न इलाकों में जरूरतमंद महिलाओं तक एक हुनर के माध्यम से आजीविका अर्जन के अवसर उपलब्ध कराना, व दूसरा यह कि इस प्रक्रिया के माध्यम से संस्था की आउटरीच बढ़ाने का काम करना. इस क्रम में घोड़ेवाले बाबा बस्ती की महिलाओं व छावनी क्षेत्र की महिलाओं के लिए दो अस्थायी केंद्र क्रमशः 1 सितम्बर 2017 व 1 जनवरी 2018 से तीन-तीन माह के लिए आरंभ किये गए. प्रति केंद्र 30 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया. प्रशिक्षण अवधी तीन माह की थी. उक्त प्रशिक्षण राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज के सामुदायिक विकास कार्यक्रम के तहत संचालित किये गए थे. प्रशिक्षक व सामग्री (एक सेण्टर पर) संबंधी व्यय पोलिटेक्निक कॉलेज द्वारा वहन किया गया. केंद्र किराया, सिलाई मशीनें व अन्य आवश्यक सामग्री तथा साफ-सफाई आदि का प्रबंध संस्था स्रोतों से किया गया. दोनों ही केन्द्रों पर सुश्री खुशबू स्वामी द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया.

घोड़ेवाले बाबा बस्ती स्थित सिलाई केंद्र पर संभागी बालिकाएं

छावनी केंद्र पर सिलाई सीखती महिलाएं

इन महिलाओं के साथ सिलाई के अतिरिक्त प्रजनन स्वास्थ्य, स्व- देखभाल के प्राकृतिक उपायों आदि पर भी चर्चा की गयी व दोनों केन्द्रों से महिलाओं को स्थानीय दर्शनीय स्थल भ्रमण पर भी ले जाया गया. घोड़ेवाला बाबा बस्ती केंद्र की संभागियों द्वारा स्थानीय लाइब्रेरी 'बोधि' के लिए कुशन कवर तैयार करने का अवसर प्राप्त हुआ. साथ ही पुराने कुशनों को सही करने व उनकी भराई करने का कार्य भी किया. बोधि द्वारा एक माह के लिए हमें अपनी जगह केंद्र चलने के लिए निशुल्क उपलब्ध करायी गयी. बालिकाओं के निवास से यह स्थान पास होने के कारण उनके लिए सुविधाजनक था, हालाँकि बाद में केंद्र बस्ती के भीतर ही उचित स्थान प्राप्त हो जाने के कारण वहां चलाया जाने लगा. दोनों केन्द्रों पर कुल मिला कर 60 महिलाओं को बेसिक गारमेंट मेकिंग कोर्स का प्रशिक्षण प्रदान किया गया.

दिनांक 22 फ़रवरी को घोड़ेवाले बाबा बस्ती की बालिकाओं को पोलिटेक्निक कॉलेज से प्राप्त कोर्स के प्रमाण-पत्रों का वितरण किया गया. प्रमाण-पत्र वितरण संस्था कोषाध्यक्ष लीना विजय व सदस्य सुनीता जैन द्वारा किया गया. प्रशिक्षक खुशबू स्वामी व वालंटियर नर्बदा भी उपस्थित रहे.

राजपूती बेस सिलाई प्रशिक्षण: छावनी केंद्र पर महिलाओं के आग्रह पर राजपूती ड्रेस सिलने का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया. यह प्रशिक्षण संस्था वालंटियर श्रीमती शशि सिंह महियारिया जी द्वारा दिया गया. शशि जी ने राजपूती लहंगा, कुर्ती-कांचली और ओढ़नी तैयार करने की विविध विधियां संभागियों को सिखाई. शशि जी जोकि अपने लिए स्व-रूचि से सिलती थीं, व्यवस्थित रूप से प्रशिक्षण पहली बार दिया और संभागियों द्वारा उनके सिखाने को सराहा भी गया.

राजपूती ड्रेस प्रशिक्षण

राजपूती बेस बनाना सीखती संभागी

सहभागिता

संस्था द्वारा अन्य विभिन्न संस्थाओं के साथ सहभागिता निभाते हुए विविध सामाजिक कार्यों मे अपनी उपस्थिति दर्ज करायी, जिनका विवरण निम्नवत है:

- कोटा एनवायर्नमेंट सोसाइटी (KES) के साथ संयुक्त तत्वाधान में संस्था द्वारा कंचनजंगा हाउसिंग सोसाइटी में 1 दिसम्बर को 'वेस्ट मैनेजमेंट', कम्पोस्टिंग आदि के बारे में जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सोसायटी के लगभग 40 परिवारों द्वारा भाग लिया गया. सत्र में KES से डॉ. सूजन राज द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में संभागियों को वेस्ट मैनेजमेंट संबंधी रोचक जानकारी प्रदान की गयी.
- दिनांक 24 जनवरी 2018 को राजकीय महाविद्यालय (विज्ञान), कोटा द्वारा आयोजित उद्यमिता शिविर के अवसर पर संस्था द्वारा अपना स्टाल लगाया गया जिसके माध्यम से छात्रों को समाज कार्य के क्षेत्र में कैरियर बनाने, और संस्थाओं का निर्माण करने व सम्बंधित चुनौतियों आदि पर जानकारी दी गयी. इस अवसर पर संस्था ने अपने वेस्ट क्राफ्टिंग के विभिन्न उप्तादों की प्रदर्शनी भी लगायी. स्टाल को भारती गौड़, डॉ. अनुराधा व पीयूष द्वारा संचालित किया गया.
- दिनांक 25 जनवरी को कोटा हेरिटेज सोसायटी के आग्रह पर आर्ट गैलरी में परंपरागत खेल चौपड़ बनाने की कार्यशाला रखी गयी जिसमें संस्था के छावनी सेंटर की महिलाओं ने भाग लिया व विविध प्रकार से कपड़े की चौपड़ बनायीं व सिली गयीं.

चौपड़ बनती महिलाएं

तैयार चौपड़

- स्टार्ट-अप ओएसिस, जयपुर व बनस्थली विद्यापीठ, निवाई की ओर से मग कैफे, कोटा में आयोजित बैठक में संस्था सचिव डॉ. भारती गौड़ द्वारा भाग लिया गया. यह बैठक सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में कुछ नया कर रहे व्यक्तियों व संस्थाओं से उनके अनुभव जानने के संबंध में व यह सम्भावना तलाश करने के लिए थी कि किस प्रकार उन्हें स्टार्ट-अप बना कर निवेश व व्यवसाय के स्तर पर पहुँचाया जा सकता है. इसी क्रम में भारती द्वारा

नीतिआयोग के तत्वाधान में अटल इन्क्यूबेशन सेण्टर-बनस्थली विद्यापीठ द्वारा दिनांक 13-15 मार्च 2018 में आयोजित 'womenprenuer मेंटरिंग कार्यशाला' में संस्था का प्रतिनिधित्व किया गया. इस हेतु समस्त व्यय उनके द्वारा व्यक्तिगत रूप से वहन किये गए.

- 27-30 जनवरी में समकालीन कला दीर्घ, कोटा में कोटा हेरिटेज सोसायटी की चौथी स्कूल आर्ट प्रदर्शनी के अवसर पर संस्था द्वारा वीविंग कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें शहर के विविध स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया व साथ ही प्रदर्शनी में बालिका गृह की

प्रदर्शनी में भाग लेती बालिका गृह की बालिकाएं

कार्यशाला में बेकार सीडी पर वीविंग सीखते बच्चे

बालिकाओं को अवलोकन करने के लिए संस्था द्वारा सहयोग प्रदान किया गया. कार्यशाला हेतु संस्था वालंटियर पीयूष, सुनीता जैन, लीना विजय व डॉ. अनुराधा चतुर्वेदी ने अपनी सेवाएँ दीं. प्रदर्शनी में बालिका गृह की पांच बालिकाओं की पेंटिंग को प्रदर्शनी में लगाने हेतु चयन भी किया गया.

- 'monday mile' अर्थात बच्चे हफ्ते में एक बार तो दौड़े और खेलें- इस विचार को लेकर KHS और इन-शेप, कोटा द्वारा आयोजित दौड़ में बालिका गृह की बालिकाओं को शामिल करने के लिए सहजीकृत किया गया. सभी बालिकाएं दौड़ को लेकर उत्साहित थीं व रेस में अपना पूरा जोर लगाया. यह प्रतिस्पर्धा नहीं थी बल्कि अपनी क्षमताओं का आकलन करने का एक माध्यम था. दौड़ के साथ ही वहां चौपड़ व 'लंगड़ी पव्वा' जैसे पुराने खेलों का भी भरपूर आनंद लिया.

चौपड़ खेलना सीखती बालिकाएं

लंगड़ी पव्वा का आनंद

दौड़ में शामिल बालिकाएं

- इस वर्ष संस्था सचिव डॉ. भारती गौड़ को उनके पूर्व कार्यों के आधार पर कुरजा संस्था, जयपुर द्वारा 'बेटी सृष्टि रत्न' पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व हेतु सहयोग

कंसाई नेरोलक पेंट्स, बावल के सीएसआर हस्तक्षेपों के तहत संस्था द्वारा राजकीय बालिका सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, बावल (हरियाणा) में दो दवसीय (16-17 फरवरी 2018) 'खुद करें-खुद सीखें' आर्टलैब की श्रृंखला में चौथी कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस शिविर में संस्था सदस्य भारती व वालंटियर डॉ. शीनू चौहान, पीयूष अग्रवाल व अक्षय द्वारा अपनी सहभागिता दी गयी व स्कूल के बच्चों के लिए विविध आर्ट और क्राफ्ट सत्रों का आयोजन किया. इसके तहत ड्रीम कैचर बनाना, प्लास्टिक बोतल के हैंगिंग बनाना, व टीशर्ट पेंटिंग सिखाने का कार्य किया गया. इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य हस्तकलाओं के बारे में बच्चों को उन्मुख करना, रीसाइक्लिंग क्राफ्ट के प्रति रुझान बढ़ाना, उसका व्यवहारिक ज्ञान देना और उन प्रक्रियाओं को बच्चे खुद अपने हाथों से करें- इस प्रकार का सीखने का वातावरण सृजन करना था. शिविर में 80 बच्चों द्वारा भाग लिया गया. न केवल बच्चों बल्कि शिक्षकों ने भी अपनी कला को जाहिर किया. शीनू ने सभी शिक्षकों व नेरोलक प्रतिनिधियों के साथ पेंटिंग सत्र लिया. शिविर के अंतिम दिन संस्था ने अपने कार्यक्रमों के संबंध में व शिविर में बच्चों द्वारा बनाये गए उत्पादों की प्रदर्शनी समुदाय हेतु प्रस्तुत की. प्रदर्शनी का उद्घाटन नेरोलक श्री जीवन जोशी व श्री कोबयशी द्वारा किया गया. नेरोलक से श्री राजीव सक्सेना, श्री पवन गुप्ता, व श्री अमित यादव के साथ-साथ ब्लाक प्रशासन, शिक्षा विभाग व पंचायत के अधिकारीयों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया.

कचरा जगमगाते हम : प्रदर्शनी II

दीपावली के अवसर पर संस्था द्वारा दो दिन (14-15 अक्टूबर) की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया जिसका नाम था-'कचरा जगमगाते हम'. यह इस श्रृंखला की दूसरी प्रदर्शनी थी. इस प्रदर्शनी में रीयूज़-रीसायकल की अवधारणा को लेकर हुए दिवाली के अवसर के अनुरूप कुछ ऐसी रौशनी की झालरों, लैंप और सजावटी सामानों को तैयार किया जोकि पुराने डिब्बों, कांच की बोतलों, व अन्य वेस्ट सामग्री से तैयार किये गए थे. सीधे और साफ़- साफ़ शब्दों में मुद्दा ये था कि प्लास्टिक या कांच या अन्य किसी भी जैविक रूप से नष्ट न हो सकने वाले कचरे के लिए 'रीसाइक्लिंग' कचरा प्रबंधन का तरीका है, पर व्यक्ति और परिवार के स्तर पर इस प्रकार के नियमित रूप से निकलने वाले कचरे को रोकने के लिए (कबाड़ी के इंतजार के अलावा) क्या हम अपने स्तर पर अपनी कलात्मकता का परिचय देते हुए कचरे को पुनर्जीवन दे सकते हैं? ऐसा ही कुछ सोचते हुए और दिवाली को भी मद्देनज़र रखते हुए, कांच की बोतलों के लैंप, तेल वाली कुप्पियाँ, और जगमगाती रोशनी की झालरों को बनाने का काम किया गया. इन उत्पादों को बनाने में शहर के विभिन्न लोगों जैसे शिक्षकों, ग्राफ़िक डिज़ाइनर, स्टूडेंट्स, कलाकारों, वरिष्ठ नागरिकों का सहयोग प्राप्त हुआ. पिछले एक माह से संस्था वालंटियर पीयूष, भारती, शिविका, नर्बदा, शैली, खुशबू, तनु व अन्य सदस्य संस्था के बजरंग नगर स्थित कार्यालय में इसकी तैयारियों के लिए जुटे हुए थे. प्रदर्शनी के आयोजन में संस्था

प्रदर्शनी हेतु तैयार उत्पाद

सदस्य व मित्रों अमिताभ बासु, अरविन्द सिंह, डॉ. मनीष गौड़, डॉ. एम डी गौड़, राजेश विजय का योगदान सराहनीय रहा. दो दिवसीय प्रदर्शनी को शहर के मुख्य इलाके रेन बसेरा पार्क-एरोड्रम सर्किल पर लगाया गया था जिससे आने-जाने वाले शहरवासी स्वतः ही आकर्षित हो रहे थे. प्रदर्शनी के उत्पादों को, वेस्ट के रीयूज़ के विचार को सराहा व खरीदा भी. प्रदर्शनी में जिला बाल कल्याण समिति अध्यक्ष श्री हरीश गुरुबक्षानी व सदस्य श्रीमती शुभा गुप्ता जी ने भी अवलोकन किया. इसके

अतिरिक्त अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भी प्रदर्शनी में शिरकत की गयी. संस्था द्वारा प्रदर्शनी में बिक्री से हुई आय को किशोरी बालिकाओं के सशक्तिकरण हेतु ही उपयोग करने की योजना बनायीं गयी. प्रदर्शनी को लेकर स्थानीय समाचार-पत्रों और सोशल मीडिया पर भी भरपूर सराहना की गयी. इसके साथ ही प्रदर्शनी स्थल से लगी घोड़ेवाले बाबा कच्ची बस्ती के बच्चों के साथ दीपक रंगने की गतिविधि की गयी गतिविधि के बाद दीपक उन्ही बच्चों को भेंट कर दिए गए.

प्रदर्शनी अवलोकन करते बाल कल्याण समिति सदस्य **अपने रंगे दीपक लिए बस्ती के बच्चे**

डॉक्यूमेंटेशन एवं अन्य सामग्री विकास

इस वर्ष संस्था द्वारा अपने कार्यों सम्बन्धी निम्न लेख एवं अन्य सामग्री विकसित की गयी-

1. वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2016-17 (भौतिक व वित्तीय विवरण सहित)
2. ‘कलाजीविका’ (बालिका गृह की बालिकाओं के क्राफ्ट सेंटर अनुभव आधारित केस अध्ययन)
3. बालिका गृह/ नारीशाला आवासिनियों के माहवारी स्वास्थ्य अनुभवों पर आधारित संस्था द्वारा प्रस्तुत शोध पत्र ‘**Menstrual Hygiene Management: Choices Now and Then**’ का ‘Emerging Social Issues and Problems in Contemporary Indian Societies’ नामक पुस्तक, संपादक डॉ. एच एन व्यास, प्रकाशक साहित्यागार जयपुर, 2017 में प्रकाशन.
4. वेबसाइट www.sachetansociety.org एवं फेसबुक पेज का नियमित संधारण

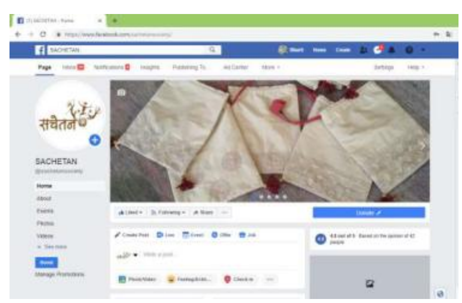

मीडिया सहयोग

अच्छी पहल

कंचनजंगा अपार्टमेंट की महिलाओं और सचेतन संस्था की बैठक में बनी सहमति

घर के कचरे से खाद बनाने का लिया फैसला

प्लास्टिक की थैलियों के बहिष्कार का लिया संकल्प

कचरे के निस्तारण पर एकजुट हुईं कंचनजंगा अपार्टमेंट की महिलाएं।

न्यूज़ ब्रीफ

बालिकाओं पर आधारित रिपोर्ट का विमोचन

कोटा| राजकीय बालिका गृह, कोटा में बालिकाओं पर आधारित एक रिपोर्ट का विमोचन जया कंवर गुंजल व बालिका गृह अधीक्षक अंशुल मेहंदीरत्ता द्वारा किया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि सिलाई या कोई क्राफ्ट सीखने से व्यथित मन को दिलासा मिल सकती है और

कल से लगेगी एग्जीबिशन, जरूरतमंद बच्चों पर खर्च होगी राशि

प्रदर्शनी

घोड़े वाले बाबा चौराहे के पास स्थित रैनबसेरा पार्क में दीपावली से संबंधित आइटम शहरवासियों के लिए होंगे उपलब्ध

ये जुटे हैं टीम में

घोड़े वाले चौराहे के पास रैन बसेरा पार्क में आज से लगेगी प्रदर्शनी

कोटा|सचेतन संस्था की ओर से शनिवार शाम 4 बजे से रियूजिंग एंड रि-डेकोरेटिंग द वेस्ट अभियान के तहत घोड़ेवाले बाबा चौराहे के पास स्थित रैनबसेरा पार्क में एग्जीबिशन शुरू होगी। दीपावली से जुड़े आइटम अन्य आयटमों का डिस्प्ले किया जाएगा। इनकी रेट 15 से लेकर 500 रुपए तक है। इस एग्जीबिशन से प्राप्त राशि का उपयोग संस्था द्वारा वंचित वर्ग, बस्तियों के बच्चों, किशोरी एवं नारीशाला की बालिकाओं पर

कचरा जगमगाते हम की लगाई प्रदर्शनी

प्रदर्शनी में जानकारी देते हुए।

कोटा| सचेतन संस्था की ओर से घोड़े वाले बाब चौराहा स्थित रैन बसेरा में घोड़ा बस्ती के बच्चों के लिए आर्ट लैब लगाया। जिसमें बच्चों को पुराने पेपर से लिफाफे बनाना, कैरी बैग बनाना, थंब पेंटिंग, वेजिटेबल स्टम्पिंग बनाना सिखाया गया। साथ ही गीत, संगीत, कहानी और विभिन्न खेलो को भी शिविर में शामिल किया गया। शिविर में सचेतन टीम की डॉ. भारती गौड़, पीयूष अग्रवाल, शीतिका पुंज, अक्षय जैन, चंद्रिका, कपिल का सहयोग रहा।

घोड़े वाले चौराहे के पास रैन बसेरा पार्क में आज से लगेगी प्रदर्शनी

सचेतन संस्था की एग्जीबिशन में दूसरे दिन भी शहरवासियों ने की खरीदारी

बेकार पड़े सामानों से बनाए गए ये सभी आइटम

प्रदर्शनी

घोड़े वाले चौराहे के पास स्थित रैन बसेरा पार्क में आज भी लगेगी एग्जीबिशन

जरूरतमंदों के लिए शुरू हुई एग्जीबिशन, लोगों को रास आई कांच की बोतलों पर चित्रकारी व पेपर लैंप

वर्कशॉप में बच्चों ने सजाए रंग-बिरंगे दीपक

सचेतन सदस्य व साथी (वर्ष 2017-18)

इस वर्ष सदस्यता में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं हुआ. समस्त संस्था पदाधिकारी व सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:

प्रभाकर शर्मा (अध्यक्ष)	डॉ.भारती गौड़ (सचिव)
लीना विजय (कोषाध्यक्ष)	सुनीता जैन (सदस्य)
शरद चौधरी (सदस्य)	अमिताव बासु (सदस्य)
विकास डागुर (सदस्य)	रेनू सक्सेना (सदस्य)
मंजू सोनी (सदस्य)	अरविन्द सिंह (सदस्य)
सपना अग्रवाल (सदस्य)	जिया इस्लाम (सदस्य)
वंदना श्रीमाली (सदस्य)	नम्रता जेठवानी (सदस्य)
डॉ. अनुराधा सिंह (सदस्य)	

संस्था सदस्यों के अतिरिक्त अनेक मित्र/ शुभचिंतक संस्था को विभिन्न प्रकार से सहयोग प्रदान करते रहते हैं जिन्हें संस्था-साथी कहा गया है. इस वर्ष के संस्था-साथियों की सहयोगवार सूची इस प्रकार है-

वित्तीय सहयोग:

श्रुति शर्मा (गाजियाबाद), वर्ल्ड लर्निंग इंडिया प्र.लि.(दिल्ली), रेनू सक्सेना (हुरडा), सपना अग्रवाल (कोटा), नम्रता जेटवानी (कोटा), गौरव विजय (कोटा), पीयूष अग्रवाल (कोटा), स्वीटी जी (कोटा), अनुपमा मेनन (कोटा), HNP- संस्कार (कोटा), शीतिका पुंज (कोटा).

सामग्री सहयोग:

मनीष जैन (मेडिकल मार्केट, रामपुर कोटा), डॉ. मनीष गौड़, अमिताभ बासु, अरविन्द सिंह, कविता सोनी, व नर्बदा.

विभिन्न कार्यक्रमों में वालंटियर सहयोग:

शिविका विजय, पीयूष अग्रवाल, नर्बदा, राजेश विजय, डॉ. मनीष गौड़, डॉ. महेश दत्त गौड़, योग्यता जोशी, छविप्रिया गौड़, शीतिका पुंज, अक्षय, चन्द्रिका, कपिल, अविश, भुवनेश, मोइज़, शिखा, तनु, शैली जैन, शशि सिंह महियारिया, खुशबू स्वामी, शीनू चौहान, डॉ. अनुराधा चतुर्वेदी, अमिताभ बासु, अरविन्द सिंह, लीना विजय एवं भारती गौड़.

गतिविधि सारांश

क्रम	दिनांक	स्थान/संस्था	परियोजना	गतिविधि	संभागी	संदर्भ व्यक्ति/ वालंटियर्स
1	5-6 अप्रैल	राजकीय बालिका गृह-नारीशाला, नान्ता	*आर्टलैब*	पेपर मेशे	20 बालिकाएं	**भारती**
2	21 अप्रैल	केन्द्रीय विद्यालय 1, कोटा	*आर्टलैब*	कचरा प्रबंधन के 5Rs सूत्रों के बारे में जानकारी व प्लास्टिक वेस्ट आधारित क्राफ्ट सत्र	27 विद्यार्थी	**पीयूष, अक्षय, भुवनेश, चन्द्रिका व मोइज़**
3	22 अप्रैल	रोजबड्स स्कूल, बोरखेडा कोटा	*आर्टलैब*		16 विद्यार्थी	**पीयूष, अक्षय, भुवनेश, चन्द्रिका व मोइज़**
4	26-28 अप्रैल	संस्कार संस्था, कोटा	*आर्टलैब*	पेपर क्राफ्ट	16 बच्चे	**अक्षय, भारती, पीयूष,**
5	4 मई	बक्षी स्प्रिंगडेल्स स्कूल, देवली अरब रोड, कोटा	*आर्टलैब*	बुक कवर चढ़ाना	84 विद्यार्थी	**भारती, पीयूष**
6	5-9-11मई	राजकीय बालिका गृह	*आर्टलैब*	ड्रीम कैचर मेकिंग	26 बालिकाएं	**भारती, पीयूष, शीतिका**
7	15-20 मई	घोड़ा बस्ती	*समर कैंप*	पेपर बैग मेकिंग, स्टैंसिल, टी-शर्ट पेंटिंग, कहानी, प्ले, खेल-कूद आदि.	105 बच्चे	**पीयूष, नर्बदा, शीतिका, चन्द्रिका, अक्षय, कपिल, योग्यता, शिखा, दीपाक्षी, भव्या**
8	25-27 मई	राजकीय बालिका गृह-नारीशाला, नान्ता	*सेल्फ कार्यक्रम*	वॉल पेंटिंग - स्टैंसिल पेंटिंग कार्यशाला	20 बालिकाएं	**भारती, शीतिका, योग्यता**
9	2-3 जून	राजकीय विद्यालय, पुलिस लाइन्स	*आर्टलैब*	स्काउट कैंप- वेस्ट आधारित क्राफ्ट सत्र	22 विद्यार्थी	**भारती, पीयूष, कपिल, नर्बदा**
10	6-8 जून	राजकीय बालिका गृह-नारीशाला, नान्ता	*सेल्फ कार्यक्रम*	रंग कार्यशाला, वरली पेंटिंग व ड्रामा	23	**योग्यता जोशी**
11	12 जून	गायत्री शक्तिपीठ- स्पंदन शिविर	आर्टलैब	बुक कवर चढ़ाना	50 बच्चे	**नर्बदा, पीयूष, सोनू, कपिल, योग्यता**
12	14-16 जून	गायत्री शक्तिपीठ- दिया शिविर	आर्टलैब	प्लास्टिक वेस्ट आधारित क्राफ्ट सत्र	43 बच्चे	**नर्बदा, पीयूष, सोनू, कपिल, योग्यता**
13	4-6 जुलाई	राजकीय बालिका गृह-नारीशाला, नान्ता	*सेल्फ कार्यक्रम*	ज्वैलरी मेकिंग कार्यशाला	30 बालिकाएं	**छविप्रिया**
14	14 जुलाई	बक्षी स्प्रिंगडेल्स स्कूल, देवली अरब रोड, कोटा	*आर्टलैब*	प्लास्टिक वेस्ट आधारित क्राफ्ट सत्र	40 स्टूडेंट्स	**भारती, पीयूष,**
15	20-22 जुलाई	घोड़ा बस्ती	*आर्टलैब*	राखी मेकिंग कार्यशाला	20	**पीयूष, भारती, सोनू, दामिनी, छविप्रिया, नर्बदा**
16	31 जुलाई-1 अगस्त	राजकीय बालिका गृह-नारीशाला, नान्ता	*सेल्फ कार्यक्रम*	राखी मेकिंग कार्यशाला	15 बालिकाएं	**भारती**
17	**3-6 अगस्त**	**सिने मॉल, कोटा**	**राखी प्रदर्शनी**		**पीयूष, अक्षय, कपिल, दामिनी, सोनू, नर्बदा, नारीशाला से बालिकाएं**	

क्रम	दिनांक	स्थान/संस्था	परियोजना	गतिविधि	संभागी	संदर्भ व्यक्ति/ वालंटियर्स
18	28-29 अगस्त	राजकीय विद्यालय, थूनपुर ग्राम	*आर्टलैब*	वेस्ट आधारित क्राफ्ट सत्र	52	**भारती, पीयूष, नर्बदा, कपिल, अवीश,**
19	1 सितम्बर	घोड़ा बस्ती	कौशल प्रशिक्षण. तीन माह 1 सितम्बर -30 नवम्बर तक का सिलाई सेंटर प्रारम्भ (पॉलिटेक्निक कॉलेज सहयोग)		30 महिलाएं	**खुशबू स्वामी, नर्बदा**
20	10 सितम्बर से प्रारंभ	सचेतन कार्यालय	*आर्टलैब*	दिवाली कार्यशाला - वालंटियर्स	7 वालंटियर्स	**शिविका, पीयूष, डॉ. एम. डी गौड़, भारती, नर्बदा, डॉ. मनीष गौड़**
21	26 सितम्बर	घोड़ा बस्ती सिलाई केंद्र	*स्वास्थ्य*	माहवारी स्वास्थ्य चेतना कार्यशाला	25	**भारती**
22	14-15 अक्टूबर	रेन बसेरा	प्रदर्शनी - कचरा जगमगाते हम		**पीयूष, नर्बदा, दामिनी, सोनू**	
23	1-5 नवम्बर	राजकीय बालिका गृह-नारीशाला, नान्ता	*सेल्फ कार्यक्रम*	क्रोशिया प्रशिक्षण व फैब्रिक एन्वेलोप मेकिंग	10 बालिकाएं	**भारती,**
24	1 दिसम्बर	कंचनजंगा सोसायटी , कोटा	*जागरूकता कार्यक्रम*	वेस्ट मैनेजमेंट कार्यशाला	40 परिवार	**डॉ सूसन राज (KES)**
	1 जनवरी से प्रारंभ	छावनी , कोटा	*कौशल प्रशिक्षण.* छावनी क्षेत्र की महिलाओं हेतु तीन माह (३१ मार्च तक)का सिलाई केंद्र आरम्भ		30	**खुशबू, नर्बदा**
25	13 जनवरी	राजकीय बालिका गृह-नारीशाला, नान्ता	*आर्टलैब*	ओरिगामी कार्यशाला (बटरफ्लाई व अम्ब्रेला)	28	**भारती व पीयूष, नर्बदा**
26	15 जनवरी	राजकीय बालिका गृह-नारीशाला, नान्ता	*आर्टलैब*	पेंटिंग कार्यशाला	20 बच्चे	**भारती, नर्बदा**
27	19 जनवरी	राजकीय बालिका गृह-नारीशाला, नान्ता	*आर्टलैब*	बोतल रैपिंग	15	**भारती, नर्बदा, पीयूष**
28	19 जनवरी	MUG कैफे	स्टार्ट-अप oasis मीटिंग में भागीदारी		-	**भारती गौड़**
29	24 जनवरी	राजकीय महाविद्यालय कोटा	उद्यमिता शिविर में क्राफ्ट सेण्टर की बालिकाओं द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी			**भारती पीयूष**
30	25 जनवरी	आर्ट गैलरी	कौशल प्रशिक्षण	चौपड़ मेकिंग कार्यशाला	15 महिलाएं	**नर्बदा, खुशबू, सुनीता जैन**
31	27-30 जनवरी	कोटा हेरिटेज सोसायटी - स्कूल आर्ट कैंप	*आर्टलैब*	वीविंग कार्यशाला	90 स्टूडेंट्स	**भारती, पीयूष, सुनीता, लीना**
32	16-17 फ़रवरी	राजकीय बालिका सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, बावल	*csr- नेरोलक आर्टलैब*	DIY कैंप III	80 विद्यार्थी	**पीयूष, भारती, अक्षय, शीनू**
33	22 फ़रवरी	घोड़ा बस्ती सिलाई सेंटर	*कौशल प्रशिक्षण*	प्रमाण पत्र वितरण	**लीना विजय, सुनीता जैन, खुशबू, नर्बदा व भारती**	
34	24 फ़रवरी	राजकीय बालिका गृह-नारीशाला, नान्ता	*आर्टलैब*	होली रंग मेकिंग कार्यशाला	20	**नर्बदा भारती**
35	25 फ़रवरी	राजकीय बालिका गृह-नारीशाला, नान्ता	*वार्षिक कार्यक्रम*	'कलाजीविका' पुस्तक विमोचन (जयाकंवर गुंजल, अंशुल मेहंदीरत्ता द्वारा) व बच्चों के लिए मेला आयोजन व पुरस्कार वितरण		**सचेतन टीम**
36	27 - 31 मार्च	छावनी सिलाई केंद्र	*कौशल प्रशिक्षण*	राजपूती ड्रेस मेकिंग	15	**शशि सिंह महियारिया**
37	**30 मार्च**	**SIT- स्टूडेंट संवाद जयपुर**	***बैठक***	**सचेतन के बारे में प्रेसेंटेशन**	**15 स्टूडेंट्स**	भारती

वित्तीय रिपोर्ट

Jain Neeraj and Company
Chartered Accountants

308, ARIHANT, RAJEEV GANDHI NAGAR, Kota
RAJASTHAN 324005
Ph. 9950549184, 744-2361846

FORM NO. 10B

[See Rule 17B]

Audit Report under section 12A (b) of the Income-tax Act, 1961 in the case of charitable or religious trusts or institutions

We have examined the balance sheet of SACHETAN SOCIETY FOR RESEARCH EDUCATION AND TRAINING AAIAS9687G [name and PAN of the trust or institution] as at 31/03/2018 and the Profit and loss account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the said trust or institution

We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit. In our opinion, proper books of account have been kept by the head office and the branches of the above-named institution visited by us so far as appears from our examination of the books, and proper Returns adequate for the purposes of audit have been received from branches not visited by us subject to the comments given below:

In our opinion and to the best of our information, and according to information given to us the said accounts give a true and fair view: -

i. in the case of the balance sheet of the state of affairs of the above-named institution as at 31/03/2018

ii. in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of its accounting year ending on 31/03/2018

The prescribed particulars are annexed hereto.

For Jain Neeraj and Company
Chartered Accountants

Ritu Bohra.

(Ritu Bohra)
Partner
Membership No: 079509
Registration No: 04693C

JAIN NEERAJ & CO. M. No 79509 KOTA Chartered Accountants

Place :Kota
Date : 11/09/2018

ANNEXURE

STATEMENT OF PARTICULARS

I Application of income for charitable or religious purposes.

1.	Amount of income of the previous year applied to charitable or religious purposes in India during that year.	**157671**
2.	Whether the institution has exercised the option under clause (2) of the Explanation to section 11 (1)? If so, the details of the amount of income deemed to have been applied to charitable or religious purposes in India during the previous year.	**No**
3.	Amount of income Accumulated or set apart for application to charitable or religious purposes, to the extent it does not exceed 15 per cent of the income derived from property held under trust Wholly for such purposes.	**13299**
4.	Amount of income eligible for exemption under section 11(1)(c) [Give details]	**No**
5.	Amount of income, in addition to the amount referred to in item 3 above, accumulated or set apart for specified purposes under section 11(2)	**0**
6.	Whether the amount of income of mentioned in item 5 above has been invested or deposited in the manner laid down in section 11(2)(b)? If so, the details thereof.	**NA**
7.	Whether any part of the income in respect of which an option was exercised under clause (2) of the Explanation to section 11(1) in any earlier year is deemed to be income of the previous year under section 11(B)? If so, the details thereof.	**NA**
8.	Whether, during the previous year, any part of income accumulated or set apart for specified purposes under section 11(2) in any earlier year :-	
a.	has been applied for purposes other than charitable or religious purposes or has ceased to be accumulated or set apart for application thereto, or	**No**
b.	has ceased to remain invested in any security referred to in section 11(2)(b)(i) or deposited in any account referred to in section 11(2)(b)(ii) or section 11(2) (b) (iii), or	**No**
c.	has not been utilised for purpose for which it was accumulated or set apart during the period for which it was to be accumulated or set apart, or in the year immediately following the expiry thereof? If so, the details thereof	**No**

II. Application or use of income or property for the benefit of persons referred to in section 13 [3].

1.	Whether any part of the income or property of the institution was lent, or continues to be lent, in the previous year to any person referred to in section 13(3) (hereinafter referred to in this Annexure as such person) ? If so, give details of the amount, rate of interest charged and the nature of security, if any.	**NO**
2.	Whether any land, building or other property of the institution was made, or continued to be made, available for the use of any such person during the previous year? If so, give details of the property and the amount of rent or compensation charged, if any.	**NO**

3.	Whether any payment was made to any such person during the previous year by way of salary allowance or otherwise? If so, give details.	**NO**
4.	Whether the services of the institution were made available to any such person during the previous year? If so, give details thereof together with remuneration or compensation received, if any.	**NO**
5.	Whether any share, security, or other property was purchased by or on behalf of the institution during the previous year from any such person? If so, give details thereof together with the consideration paid.	**NO**
6.	Whether any share, security, or other property was sold by or on behalf of the institution during the previous year to any such person? If so, the details thereof together with the consideration received.	**NO**
7.	Whether any income or property of the institution was diverted during the previous year in favour of any such person? If so, give details thereof together with the amount of income or value of property so diverted.	**NO**
8.	Whether the income or property of the institution was used or applied during the previous year for the benefit of any such person in any other manner? If so, give details.	**NO**

III. Investment held at any time during the previous year(s) in concerns in which persons referred to in section 13(3) have a substantial interest.

Sl.No	Name and address of the concern	Where the concern is a company No. and class of shares held	Nominal value of the investment	Income from the investment	Whether the amount in Col. 4 exceeded 5% of the capital of the concern during the previous year-say. Yes/No

For Jain Neeraj and Company
Chartered Accountants

(Ritu Bohra)
Partner
Membership No: 079509
Registration No: 04693C

Place :Kota
Date : 11/09/2018

SACHETAN SOCIETY FOR RESEARCH EDUCATION AND TRAINING

23, SHREEPAD RAILWAY SOCIETY COLONY, BAJRANG NAGAR, KOTA

BALANCE SHEET AS ON 31-3-2018

LIABILITIES		AMOUNT	ASSETS	AMOUNT
Corpus Fund			Equipment	54,627.00
Opening Balance	70000.00	70,000.00	TDS Receivable	2,100.00
General Fund:			State Bank of India Bank A/c	130,224.00
Opening Balance	144800.00		Cash in hand	3,762.00
Less: Excess of Exp over Income	-24087.00	120,713.00		
	Total Rs.	**190,713.00**	**Total Rs.**	**190,713.00**

As per our report of even date annexed

For: M/s SACHETAN Society for Research Education and Training

Place: **Kota**
Date: 11-09-2018

(Prabhakar Sharma) President *(Bharti Gaur) Secretary* *(Leena Vijay) Treasurer*

JAIN NEERAJ & CO. M. No. 79509 KOTA Chartered Accountants

For: Jain Neeraj & Co.
Chartered Accountants

(Ritu Bohra) Partner

SACHETAN SOCIETY FOR RESEARCH EDUCATION AND TRAINING

23, SHREEPAD RAILWAY SOCIETY COLONY, BAJRANG NAGAR, KOTA

INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDED ON 31-3-2018

PARTICULARS		AMOUNT	PARTICULARS	AMOUNT
To Printing & Stationary Exp		17,389.00	By Donations Received	32,395.00
To Bank Charges		649.00	By Membership Fees	8,000.00
To Audit and Legal fees		2,354.00	By Other Receipt	130,575.00
To Website Maintenance Charges		4,750.00	By Excess of exp over income	24,087.00
To Office Rent		24,000.00		
To Annual Exhibition Exp		4,350.00		
To Auunal Event Exp		5,500.00		
To Story Lab Exp		2,173.00		
TO Skill Development Project Exp		12,473.00		
To Art Labs project Exp				
-Travel	17,049.00			
-Material	20,737.00			
-Resource Persons	30,278.00	68,064.00		
To SELF Project (Craft Centre)				
- Material	6,075.00			
-Monitoring & Supervision Exp.	4,310.00			
- Facilitator	38,660.00	49,045.00		
To SELF Project (Open School Study project)				
-Education Support	1,810.00			
-Post rehabitation	2,500.00	4,310.00		
	Total Rs.	**195,057.00**	**Total Rs.**	**195,057.00**

As per our report of even date annexed

For: M/s SACHETAN Society for Research Education and Training

For: Jain Neeraj & Co.

Chartered Accountants

Place: Kota

Date: 11-09-2018

(Prabhakar Sharma) President *(Bharti Gaur) Secretary* *(Leena Vijay) Treasurer*

(Ritu Bohra) Partner

SACHETAN SOCIETY FOR RESEARCH EDUCATION AND TRAINING

23, SHREEPAD RAILWAY SOCIETY COLONY, BAJRANG NAGAR, KOTA

RECEIPTS & PAYMENT A/C FOR THE YEAR ENDED ON 31-3-2018

Cash balance	15,614.00		Printing & Stationary		17,389.00
Bank Balance	158,935.00	174,549.00	Bank Charges		649.00
Other Receipts		130,575.00	Annual Exhibition Exp		4,350.00
Membership Fees		8,000.00	Annual Event		5,500.00
Donation Received		32,395.00	Office Rent		28,000.00
			Audit & Legal fees		8,330.00
			Skill Development Training Exp		12,473.00
			Story lab		2,173.00
			Website Exp.		9,150.00
			Art Labs project Exp		
			Travel	17,049.00	
			Material	20,737.00	
			Resource Persons	30,278.00	68,064.00
			SELF Project Exp. (Craft Centre)		
			Material	6,075.00	
			Monitoring & Supervision Exp.	4,310.00	
			Facilitator Expenses	38,660.00	49,045.00
			SELF Project (Open School StudyPproject)		
			Post rehab.	2,500.00	
			Education Support	1,810.00	4,310.00
			TDS Receivable		2,100.00
			Cash Balance	3,762.00	
			Bank Balance	130,224.00	133,986.00
Total Rs.		**345,519.00**		**Total Rs.**	**345,519.00**

As per our report of even date annexed

For: M/s SACHETAN Society for Research Education and Training

For: Jain Neeraj & Co.

Chartered Accountants

Place: Kota

Date: 11-09-2018

(Prabhakar Sharma) President *(Bharti Gaur) Secretary* *(Leena Vijay) Treasurer*

(Ritu Bohra) **Partner**

सचेतन

संस्था को सहयोग करें

आप अपनी सहयोग राशि बैंक चेक के माध्यम से हमारे संस्था कार्यालय के पते पर भेज सकते हैं अथवा सीधे ही बैंक ट्रांसफर कर सकते हैं. समस्त डोनेशन आयकर अधिनियम 1961, सेक्शन 80 जी के तहत छूट प्राप्त हैं. समस्त चेक 'Sachetan Society for Research, Education and Training' के नाम पर बनाये जायेंगे. **कार्यालय पता**: सचेतन, 23- श्रीपद, रेलवे सोसायटी कॉलोनी, बजरंग नगर, कोटा (राजस्थान), भारत. पिनकोड 324001.

नेट बैंकिंग हेतु बैंक विवरण:

बैंक का नाम- स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया

सिटी शाखा: कोटा (राजस्थान)

बैंक शाखा: एडीबी शाखा

बैंक खाता संख्या: 32852896009

IFSC/RTGS कोड: SBIN 0001838

बैंक पता : स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, एडीबी ब्रांच, स्टेशन रोड, कोटा (राजस्थान), भारत.

अधिक विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www.sachetansociety.org** व फेसबुक पेज को देख सकते हैं.

सचेतन

SACHETAN

Society for Research, Education and Training

-Office-

“Shripada”

23 – Railway Society Colony,

Bajrang Nagar, Kota, Rajasthan

Pin Code – 324001

www.sachetansociety.org

facebookpage- sachetansociety

email – sachetansociety@gmail.com